मम्मी पापा की चुदाई में मैं भी शामिल

“मॉम डैड सेक्स कहानी में पढ़ें कि मैंने पापा मम्मी की चुदाई अपनी आंखों से देखी. मम्मी की चुदाई देख मैं उत्तेजित हो गया था. तो मैंने क्या किया ? …”

Story By: रानी गुप्ता (rani.gupta)
Posted: Sunday, July 4th, 2021
Categories: Sex Kahani
Online version: मम्मी पापा की चुदाई में मैं भी शामिल

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मम्मी पापा की चुदाई में मैं भी शामिल

मॉम डैड सेक्स कहानी में पढ़ें कि मैंने पापा मम्मी की चुदाई अपनी आंखों से देखी. मम्मी की चुदाई देख मैं उत्तेजित हो गया था. तो मैंने क्या किया ?

मेरा नाम गोलू सिंह है, मेरी उम्र 28 साल है.

यह मॉम डैड सेक्स कहानी मेरी अन्तर्वासना पर पहली कहानी है.

मैंने किशोरावस्था में ही अपनी मां की लाइव चुदाई देखी थी. उस समय मैंने पापा को मम्मी की चुदाई करते हुए अपनी आंखों से देखा था. यह मेरे लिए अनोखा आनन्द था.

मैं इकलौता लड़का होने के कारण थोड़ा जिद्दी था, इसलिए मम्मी पापा के साथ ही उन्हीं के बेड पर सोता था. इस कारण मेरे मम्मी पापा को एक ही कमरे में अलग-अलग सोना पड़ता था.

एक रात को कानाफूसी की आवाज से मेरी नींद खुल गई.
मैंने देखा कि पापा मम्मी के पीछे लेटे हैं और उनसे अपने पलंग पर चलने को कह रहे हैं.

पापा मम्मी से कह रहे थे- उधर चलो मेरे पलंग पर … प्रोग्राम करते हैं.
मम्मी कह रही थीं- आज नहीं, गोलू लेटा है.
पापा बोले- ऐसे कैसे चलेगा यार … गोलू तो रोज ही इसी कमरे में सोता है.

फिर पापा नहीं माने और मम्मी की साड़ी और पेटीकोट ऊपर करके मम्मी की जांघ पर हाथ फेरने लगे.
मम्मी ने मना किया, लेकिन पापा नहीं माने.

पापा ने धीरे धीरे मम्मी की चूत में उंगली करना शुरू कर दिया.
मम्मी नानकुर करती रहीं- नहीं करो … आह.

धीरे-धीरे उनको भी मजा आने लगा, तो पापा की उत्तेजना भी बढ़ गई.
पापा ने मम्मी की चड्डी के अन्दर उंगली डालकर चूत में उंगली करना शुरू कर दिया था.

थोड़ी देर में पापा मम्मी को उठाकर अपने पलंग पर ले गए और मम्मी की साड़ी पेटीकोट उतार दिया, ब्लाउज भी उतार दिया.
मैं यह देख कर हैरान रह गया कि थोड़ी देर पहले तक मम्मी पापा को मना कर रही थीं और अब उन्हें मेरे सामने नंगी होने भी शर्म नहीं थी.

पापा ने मम्मी के होंठों पर अपने होंठ रख दिए और होंठों का रस चूसने लगे.

थोड़ी देर बाद पापा ने मम्मी के दूधों को ब्रा से मुक्त कर दिया और एक दूध को मुँह से चूसने लगे.
मम्मी के मुँह से आह आह की आवाज निकलने लगी.

अब पापा ने मम्मी की चड्डी उतार दी और मम्मी की चूत में उंगली करना शुरू कर दिया.

उसके बाद पापा 69 की स्थिति में मम्मी के ऊपर लेट गए. उन्होंने अपना लंड मम्मी के मुँह में दे दिया और मम्मी की चूत चाटने लगे.

कुछ मिनट तक दोनों ऐसे ही लेटे मजे लेते रहे.
पापा ने मम्मी की चूत में उंगली डालकर देखा कि मम्मी की चूत पानी छोड़ने लगी थी.

पापा ने सीधे होकर अपना लंड एक ही झटके में मम्मी की चूत में डाल दिया और झटके देने लगे.

मम्मी की टांगें भी हवा में उठ गईं. धकापेल चुदाई चलने लगी.

उन दोनों का ध्यान मेरी तरफ नहीं था. मैं लाइव ब्लू फिल्म का मजा ले रहा था.

बीस मिनट बाद पापा मम्मी की चूत में ही झड़ गए और दोनों नंगे ही सो गए.

मम्मी की चुदाई देखकर मैं भी उत्तेजित हो गया था.
मैंने अपना लंड चड्डी से बाहर निकाल कर मुट्ठ मार ली और आंखें बंद करके लेट गया.
मुझे नींद नहीं आ रही थी.

आधा घंटा बाद कमरे में फिर हलचल शुरू हो गई.
मैं कान लगाकर ध्यान से सुनने लगा.

पापा मम्मी की गांड चुदाई की बात कर रहे थे.
पर मम्मी मना कर रही थीं, वो कह रही थीं- उधर बहुत दर्द होता है.

मगर पापा नहीं माने और उन्होंने मम्मी की चूत में उंगली करना शुरू कर दिया.

फिर धीरे से एक उंगली मम्मी की गांड में डालकर हिलाने लगे.
मम्मी की गांड में पापा ने दो उंगलियां करना शुरू कर दीं.

अब मम्मी की गांड भी ढीली होने लगी थी और वो धीरे धीरे गर्म होने लगी थीं.

पापा ने अपने लंड पर तेल लगा कर एक ही झटके में मम्मी की गांड में लंड डाल दिया.
मम्मी दर्द के मारे तेज आवाज से चीख पड़ीं- आह मर गई.

मैं डर गया और पापा के पलंग के पास पहुंच गया.

मुझे देख कर मम्मी हड़बड़ा गईं और वो दोनों अलग हो गए.
पापा ने चादर खींचकर अपने और मम्मी के ऊपर डाल दिया.

पापा कहने लगे- तू यहां क्या कर रहा है ?
मैंने कहा- क्या हुआ ? मम्मी क्यों चीख रही थीं ?
गुस्से में पापा ने कहा- तू अपने पलंग पर जा कर लेट जा, मम्मी ठीक हैं.

पापा का गुस्सा देखकर मैं अपने पलंग पर चला गया और चुपचाप आंखें बंद करके लेट गया.

थोड़ी देर कमरे में शांति रही.
फिर पापा ने मम्मी को घोड़ी बनाकर उनकी गांड मारना शुरू कर दी.

बीस मिनट बाद पापा मम्मी की गांड में ही झड़ गए और वो दोनों थक कर नंगे ही सो गए.

मैं मॉम डैड सेक्स सब देख रहा था, मुझे नींद नहीं आ रही थी. मेरा लंड फिर खड़ा हो गया था.

मैंने फिर एक बार फिर से मुठ मारी और अपनी चड्डी बनियान उतार कर मम्मी के पास नंगा ही लेट गया.

सुबह 5:00 बजे मम्मी की नींद खुली तो मुझे पास में नंगा लेटा देखकर घबरा गईं.

उन्होंने पापा को जगाया और कहा- गोलू नंगा लेटा है.

पापा ने मुझे जगाया और कहा- तुम यहां कैसे … तेरे कपड़े कहां हैं ?
मैंने कहा- मुझे अकेले नींद नहीं आ रही थी … इसलिए मैं आप दोनों के पास आकर लेट गया. इधर आप दोनों भी तो नंगे लेटे थे, इसलिए मैं भी नंगा होकर आपके पास ही लेट

गया.

ये कह कर मैंने अपनी एक आंख दबा दी.
पापा मुस्करा दिए.

हम तीनों कपड़े पहनकर फिर से सो गए.

सुबह मम्मी किचन में पापा से कह रही थीं कि गोलू ने रात सब देख लिया था.
पापा बोले- तो क्या हुआ … सब चलता है … लड़का है.

मम्मी बोलीं- यह ठीक नहीं हुआ.
पापा- ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है, गोलू बड़ा हो गया है. सब समझता है … उसका भी खड़ा होने लगा है. आज से उसे अलग कमरे में सुलाने लगेंगे.

पापा मम्मी की बात सुनकर मैं डर गया कि अब मुझे अलग कमरे में सोना पड़ेगा और मॉम डैड सेक्स देखने को नहीं मिलेगा.

रात में जब मैं मम्मी के कमरे में सोने को गया तो पापा ने मुझसे अलग कमरे में सोने को कहा.

मैं जिद करने लगा.
पापा मम्मी नहीं मान रहे थे लेकिन मैं भी अपनी जिद पर अड़ गया.

पापा मम्मी को झुकना पड़ा.
मैं अपने पलंग पर जाकर सो गया और पापा मम्मी से कहा- आप दोनों साथ हो जाओ, मैं अलग सो जाता हूं.

पापा मम्मी एक साथ पलंग पर सो गए.

मेरी आंखों से नींद गायब थी.
मैं सोच रहा था कि पता नहीं पापा आज मम्मी की चुदाई करेंगे भी कि नहीं ?
लेकिन मैं गलत था.

पापा ने मम्मी के होंठों पर अपने होंठ रख दिए और मम्मी को धीरे-धीरे नंगी कर दिया.
पापा खुद भी नंगे हो गए.

मम्मी की गोरी गोरी चूत देखकर मैं मस्त हो गया. मम्मी की चूत पर एक भी बाल नहीं था.
उनकी चूत बड़ी प्यारी लग रही थी.

अपने बेड के सामने लगे शीशे में से मैं ये सब खेल देख रहा था.

मैं पापा का लंड देखकर मन ही मन खुश हो गया. उनका लंड 7 इंच लंबा और 3 इंच मोटा था. पापा की तरह मेरा लंड भी सेम टू सेम था. पापा के लंड पर भी एक भी बाल नहीं था.

पापा जब फोरप्ले कर रहे थे, तभी में चुपचाप उठा और पापा के पलंग के पास पहुंच गया.
उस समय मेरे तन पर और पापा मम्मी के तन पर केवल चड्डी ही थी.

मुझे देखकर पापा मम्मी अलग हो गए.

पापा बोले- तू फिर आ गया ?
मैंने कहा- मुझे आप दोनों के पास लेटना है … आप दोनों की सुसु सुसु देखना है.
पापा बोले- तू पागल हो गया क्या ?
मैंने कहा- पापा, एक बार देख लेने दो बड़ा मजा आएगा.

मैं जिद करने लगा, तो पापा मान गए.

मम्मी गुस्सा होने लगीं- आप भी ना बिना सोचे समझे गोलू की सभी जिद मान लेते हैं.

पापा बोले- बालक ही तो है, उससे शर्म कैसी. ये निकला तो हम दोनों के लंड और चूत से ही है ना … इसे भी अपने खेत देख लेने दो.

पापा ने अपने होंठ मम्मी के होंठों पर रख दिए.
मम्मी कुछ ना बोल पाईं.

मैंने चड्डी के ऊपर से मम्मी की चूत पर हाथ फेरना शुरू किया तो पापा ने मम्मी के दूध दबाना शुरू कर दिए.
मम्मी ने मेरा हाथ अपनी चूत से हटा दिया और चादर डाल लिया.

मैंने चादर हटाकर मम्मी की चूत पर हाथ फेरना शुरू कर दिया और फिर चड्डी के अन्दर हाथ डालकर मम्मी की चूत में उंगली करना शुरू कर दिया.

मम्मी भी मस्त होने लगीं, उन्हें भी मज़ा आने लगा था इसलिए उन्होंने विरोध करना बंद कर दिया.

मेरी हिम्मत बढ़ गई और मैंने मम्मी की चड्डी उतार कर अलग कर दी.
मम्मी की गोरी चूत देखकर मैं मस्त हो गया. मैंने चूत पर एक चुंबन किया और एक उंगली डालकर चूत का रस चाटा, तो बहुत मजा आया.

मैंने मम्मी की चूत में उंगली करना शुरू कर दिया और चड्डी के ऊपर से ही पापा का लंड पकड़ लिया और दबाने लगा.

पापा का लंड तन कर खड़ा था … चड्डी फाड़ने की कोशिश कर रहा था.

मैंने पापा की भी चड्डी उतार कर पापा के लंड को आजाद कर दिया और मम्मी की चूत चाटना शुरू कर दी.

साथ ही पापा का लंड एक हाथ से मसलना शुरू कर दिया.

थोड़ी देर बाद मैंने पापा के लंड को अपने मुँह में लेकर चूसना शुरू कर दिया.
मेरी इस हरकत से दोनों मस्त हो गए.

पापा ने इशारा किया तो मैंने पापा के लंड पर थूक लगा कर मम्मी की चूत में डाल दिया.
पापा चूत में धीरे धीरे झटके देने लगे.
मेरी मम्मी को भी चुदने में मजा आ रहा था. वो भी अपनी गांड उठा उठा कर मजा लेने लगी थीं.

मम्मी की चुदाई देख कर मैं भी बहुत मस्त हो गया.

मैंने अपनी चड्डी उतार फैंकी और लंड को दबाने लगा. मैंने मम्मी पापा के सामने मुट्ठ मार ली. पहली बार मैंने मम्मी पापा को इतने पास से नंगा देखा था.
फिर मैंने पापा के लंड को अपने हाथ में लिया और मम्मी की चूत में उंगली डालकर देखा था.

पूरी रात यह सोच सोच कर ही मैं रोमांचित होता रहा.

बीस मिनट बाद पापा मम्मी की चूत में ही झड़ गए और हम तीनों एक साथ नंगे ही सो गए.
एक घंटे बाद पापा ने मम्मी की गांड चुदाई की और सो गए.

सुबह जब मेरी नींद खुली तो मैंने देखा पापा का लंड मम्मी की चूत में सो रहा था.
मुझे यह देख कर मैं फिर उत्तेजित हो गया और फिर से लंड की मुट्ठ मार दी.

सुबह पापा मम्मी से कह रहे थे- कल रात बहुत मजा आया न ?

मम्मी ने हां में सिर हिला दिया.

पापा बोले- गोलू ने हमारा आनन्द दुगना कर दिया.
मम्मी ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा- लेकिन गोलू के लिए यह सब ठीक नहीं है.

पापा बोले- गोलू अब जवान हो रहा है. शादी के बाद उसे भी तो यही सब करना है … वो सब अच्छे से सीख जाएगा.
मम्मी बोलीं- मुझे तो बहुत शर्म आ रही थी.
पापा बोले- शर्म कैसी … गोलू हमारे ही जिस्म का तो टुकड़ा है ना और फिर लड़का है. उसने सब कुछ देख लिया तो अब शर्म कैसी !

बात खत्म हो गई और मुझे अब मम्मी पापा की चुदाई के साथ मजा लेने की मानो छूट मिल गई थी.

एक दिन जब मैं स्कूल से घर आया, तो घर का मेन गेट खुला था … अन्दर से बंद नहीं था.

मैं अन्दर आ गया. मैंने मम्मी को आवाज लगाई लेकिन कोई उत्तर ना मिला.

मैंने पूरे घर में मम्मी को खोजा, मम्मी पापा मुझे कहीं नहीं दिखे.

जब मैं बेडरूम में गया तो बाथरूम से मुझे मम्मी पापा की आवाज सुनाई दी.

मैंने बाथरूम की खिड़की से झांक कर देखा तो मम्मी पापा बाथरूम में एक साथ नंगे नहा रहे थे.
उनको नंगा नहाते देख कर मैं उत्तेजित हो गया. मेरा लंड खड़ा हो गया और चड्डी फाड़ दे रहा था.

मैंने अपने आपको रोकने की बहुत कोशिश की लेकिन कामयाब नहीं हुआ, तो मैंने भी

अपने कपड़े उतार डाले और नंगा ही बाथरूम के पास पहुंच गया.

बाथरूम का गेट खोला, तो वह खुल गया. दरवाजा अन्दर से बंद नहीं था.
मुझे देख कर पापा मम्मी चौंक गए … लेकिन कुछ नहीं बोले.
वो दोनों मुस्कुरा रहे थे.

मैं समझ गया आज भी बहुत मजा आएगा. मैं बाथरूम के अन्दर घुस गया और पापा का लंड पकड़ कर उससे खेलने लगा.
कभी मैं पापा का लंड हिलाता कभी दबाता और कभी लंड की चमड़ी हटाकर मुँह में लेकर चूसता.

पापा मम्मी के दोनों मम्मों को बारी बारी से चूस रहे थे और मम्मी की चूत में उंगली कर रहे थे.

मैंने पापा का लंड चूसने के बाद मैंने मम्मी की चूत से पापा की उंगली निकाल दी और चूत चाटने लगा.

इससे मम्मी को भी मजा आने लगा उनके मुँह से आह आह की आवाज निकलने लगी.

थोड़ी देर में पापा ने मम्मी को घोड़ी बनाया और अपना लंड मम्मी की चूत में डाल दिया.

मैं मम्मी के पैरों के बीच में बैठ गया और चुदाई से निकलने वाला मालपानी अपने मुँह में लेने लगा.

पापा मम्मी की चुदाई निकलने वाला रस पीने में मुझे बहुत मजा आ रहा था.

बीस मिनट की चुदाई के बाद पापा मम्मी की चूत में ही झड़ गए.
मैंने पापा का लंड निकाल कर मुँह से साफ कर दिया और मम्मी की चूत से निकलते हुए

मालपानी को मुँह से चूस लिया.

हम तीनों साथ ही नहाये.
पापा ने मेरे लंड की मुट्ठ मार दी और मम्मी ने मेरा लंड मुँह में लेकर साफ कर दिया.

फिर मम्मी ने पापा का लंड मुँह में लेकर फिर से खड़ा कर दिया.
पापा ने मम्मी को एक बार फिर घोड़ी बनाकर मम्मी की गांड चुदाई शुरू कर दी.
मम्मी बड़े मजे से गांड मरवा रही थीं.

यह मेरी अपनी खुद की सेक्स कहानी है, मॉम डैड सेक्स कहानी पढ़कर आपको बहुत मजा आया होगा.
मुझे मेल करें.
rani.gupta.sanja@gmail.com

Other stories you may be interested in

दोस्त ने अपनी बहन को चुदवाया घर बुलाकर

एक बेड पर डबल चुदाई हुई. मेरे दोस्त की बहन और बीवी की चुदाई मैंने और मेरे दोस्त ने की एक ही डबल बेड पर. दोनों लड़कियां खुल कर चुदी पूरी नंगी होकर. दोस्तो, आजकल लोग चुदाई के लिए रिश्तों […]
Full Story >>>

दोस्त ने अपनी सगी बहन को चोदा

भाई बेहन सेक्स कहानी मेरे दोस्त और उसकी विवाहित दीदी की चुदाई की है. एक रात वे दोनों घर में अकेले थे. दीदी अपने भाई के बेड पर सोने आ गयी. नमस्कार दोस्तो, मैं आपका राज शर्मा लेकर आया हूं […]
Full Story >>>

पेट्रोल पम्प पर झगड़े का हसीन फल- 2

हॉट यंग गर्ल सेक्स कहानी दो कुंवारी बहनों की चुदाई की है. तीसरी चूत मुझे मिली उनकी शादीशुदा चचेरी बहन की. तीन जवान लड़कियों को मैंने कैसे चोदा ? मजा लें पढ़ कर ! कहानी के पहले भाग अमीर लेडी की प्यासी […]
Full Story >>>

जीजाजी के साथ ट्रेन में 69 का मजा

यह जीजा साली सेक्स स्टोरी मेरे पहले सेक्स की कहानी है. मैं अपने स्मार्ट जीजा के साथ ट्रेन में थी. सर्दी के दिन थे, हमारे पास एक ही कम्बल था. तो क्या हुआ ? यह कहानी सुनें. दोस्तो, मेरा नाम मधु […]
Full Story >>>

मेरी नयी कामुक सुंदरी

जब पहली बार मेरी गर्लफ्रेंड बनी थी तो वह बिल्कुल परफेक्ट थी। हम दोनों ही एक दूसरे को शारीरिक स्तर पर संतुष्ट करते थे। दोनों ही सेक्स में एक दूसरे की जरूरतों को पूरा करते थे। मगर फिर जैसे जैसे […]
Full Story >>>